प्रेस विज्ञप्ति (सादर प्रकाशनार्थ)

14/8/18

जिसके मन में राष्ट्रीय भावना का ज्वार नहीं वह मन नहीं अपितु शुष्क रेत का ढेर है। हमारी राष्ट्रीयता हमारा प्राण है। रग रग में बहने वाला रक्त राष्ट्रीयता के रंग से रंगीन है पर जिसके रग में राष्ट्रीयता नहीं वह रक्त नहीं पानी है। ऐसी राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत रहने वाली मूल ब्यावर निवासी कुमारी आलिशा बाफणा 'गुड़िया' जो एक प्रतिभा संपन्न व्यक्तित्व की स्वामिनी है जो मात्र 11 वर्ष की उम्र में कल्पवृक्ष सदृढ गुरुदेव जयगच्छीय आचार्य प्रवर श्री पार्श्वचन्द्र जी म.सा., डॉ. श्री पदमचन्द्र जी म.सा. की छत्रछाया में शिक्षार्थ पहुंची जहाँ पर विधिवत धार्मिक एवं व्यावहारिक ज्ञान गंगा में नित अवगाहन करते हुए चहुँमुखी प्रतिभा का आश्चर्यकारी विकास हुआ। उस कुमारी आलिशा बाफणा 'गुड़िया' ने अपनी राष्ट्रीय भावना से प्रेरित होकर राष्ट्रीय गान को 72 वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में 66 मिमी. लम्बे 133.5 मिमी. चौड़े पेपर में 72 बार लिखकर भारत माँ के चरणों में श्रद्धा सहित कृतकृत्य भाव से अर्पित किया।

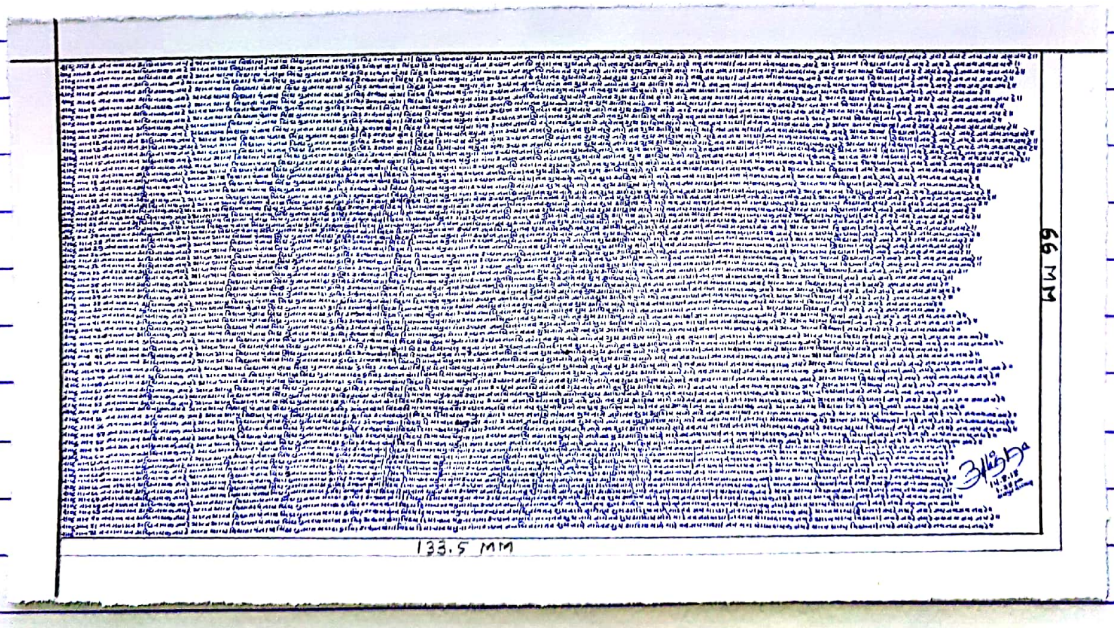

Scanned by CamScanner

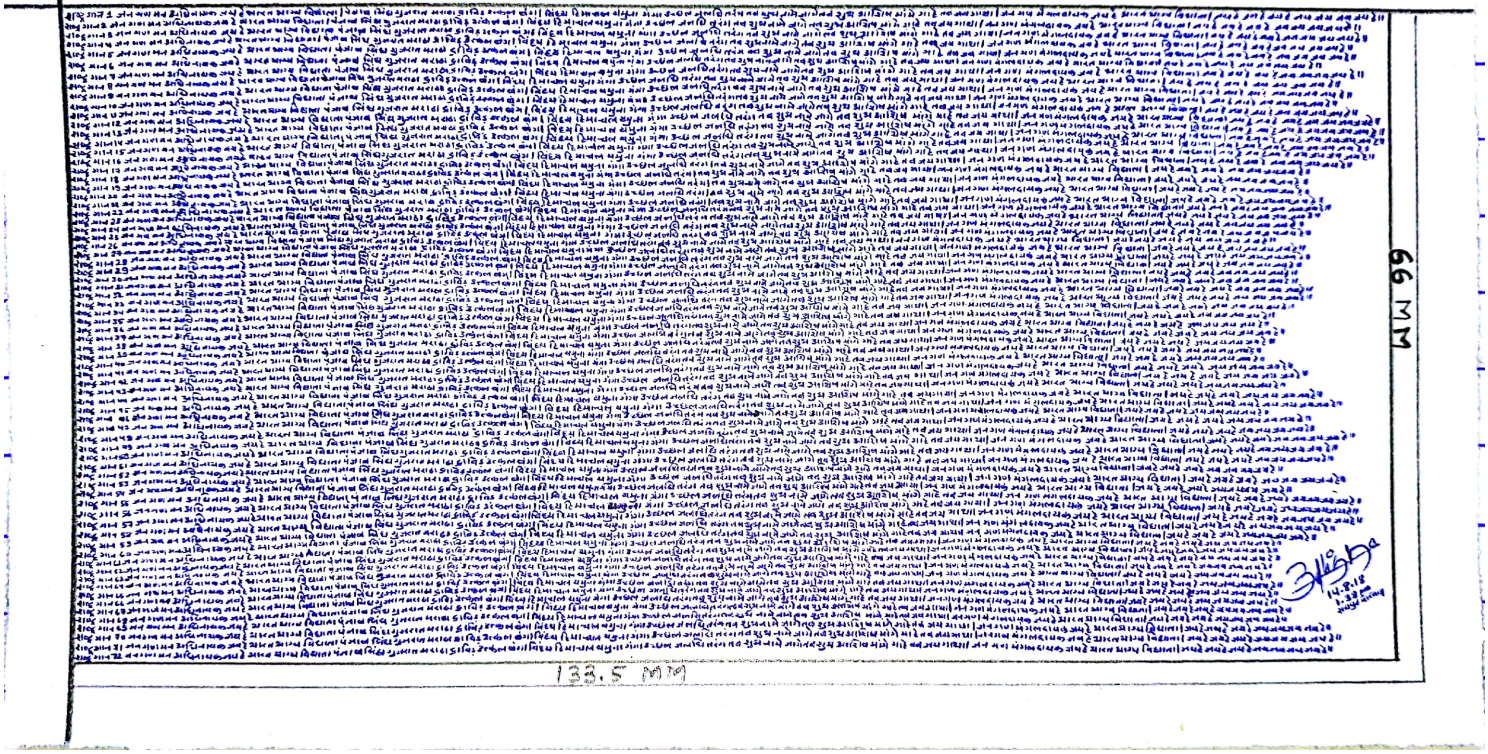

Scanned by CamScanner